

18/06
24

बकील वादी उपस्थित नहीं। वादीगण
संघ भी उपस्थित नहीं। इनकी अनुपस्थिति
कारण कोई ब्याज भी पैदा नहीं हुआ।
बार-बार ब्याज लगवाती गईं। फिर 145
बाद-पक्ष किस्म पेशी किस्म हाथी में
स्वस्थित किया जाता है।

पहावली निवेदन में शुमार
की जाकर नम्बर दो कम हो तथा हरलीक
व्यामिल होकर दा खिल पक्षर हो।